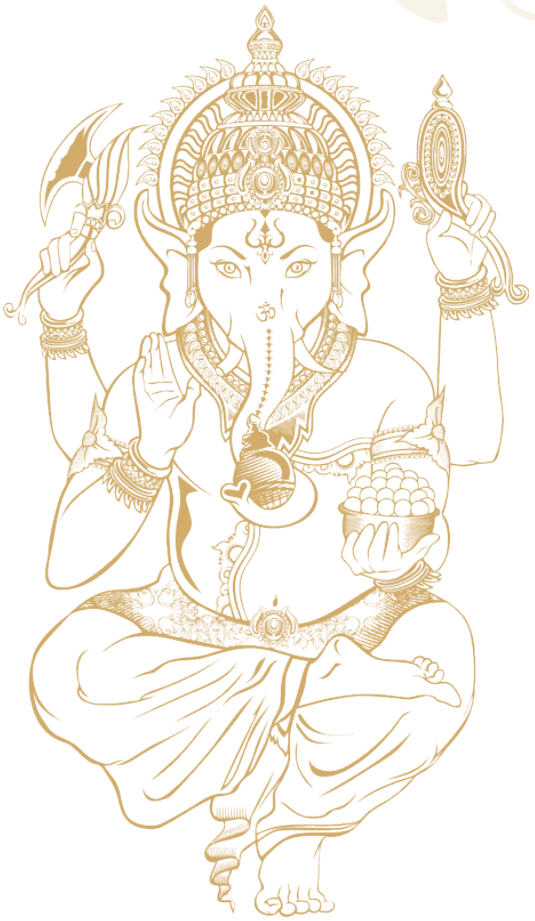

Chirag

Sonia

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120932001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120932001 Date: 14/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/09/1993	जन्म तिथि	21-22/09/1997
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	00:20:00 घंटे
घटी 37:14:46	जन्म समय(घटी)	45:12:58 घटी
India	देश	India
Hissar	स्थान	Hissar
29:10:00 उत्तर	अक्षांश	29:10:00 उत्तर
75:45:00 पूर्व	रेखांश	75:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:00	स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:05	सूर्योदय	06:14:48
18:46:39	सूर्यास्त	18:24:55
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

मेष	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	वृष
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
रेवती	नक्षत्र	रोहिणी
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	1
वृद्धि	योग	वज्र
बव	करण	वणिज
ची-चिराग	जन्म नामाक्षर	ओ-ओमवती
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मिथु	17:45:23
सूर्य	कन्या	04:59:23
चंद्र	वृष	13:09:22
मंगल	वृश्चि	01:13:44
बुध	सिंह	18:26:11
गुरु व	मक	18:42:44
शुक्र	तुला	17:22:48
शनि व	मीन	24:29:34
राहु व	सिंह	25:52:22
केतु व	कुंभ	25:52:22
हर्ष व	मक	11:07:21
नेप व	मक	03:26:16
प्लूटो	वृश्चि	09:25:51

विंशोत्तरी
बुध 3वर्ष 9मा 13दि

सूर्य	06/10/2024
चन्द्र	07/04/2025
मंगल	12/08/2025
राहु	07/07/2026
गुरु	25/04/2027
शनि	06/04/2028
बुध	11/02/2029
केतु	19/06/2029
शुक्र	19/06/2030

सूर्य
18/06/2024
19/06/2030

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 7मा 18दि

राहु	21/01/2015
गुरु	16/06/2017
शनि	22/04/2020
बुध	09/11/2022
केतु	28/11/2023
शुक्र	28/11/2026
सूर्य	22/10/2027
चन्द्र	22/04/2029
मंगल	11/05/2030

राहु
10/05/2012
11/05/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:27

लग्न-चलित

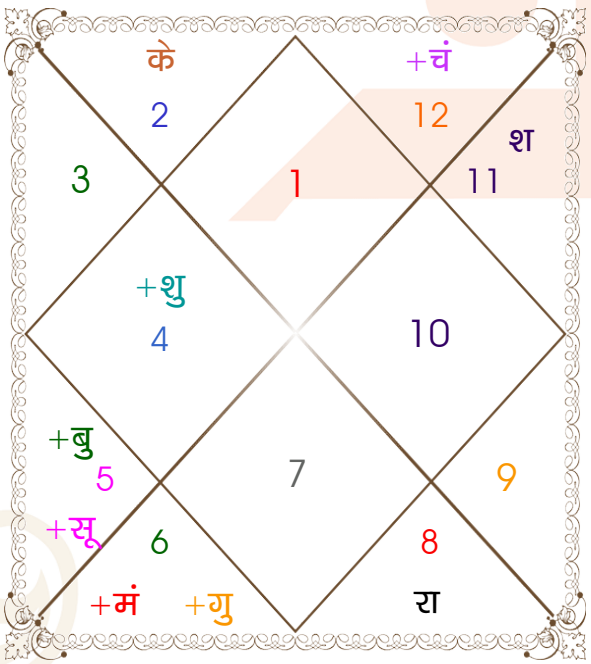

लग्न-चलित

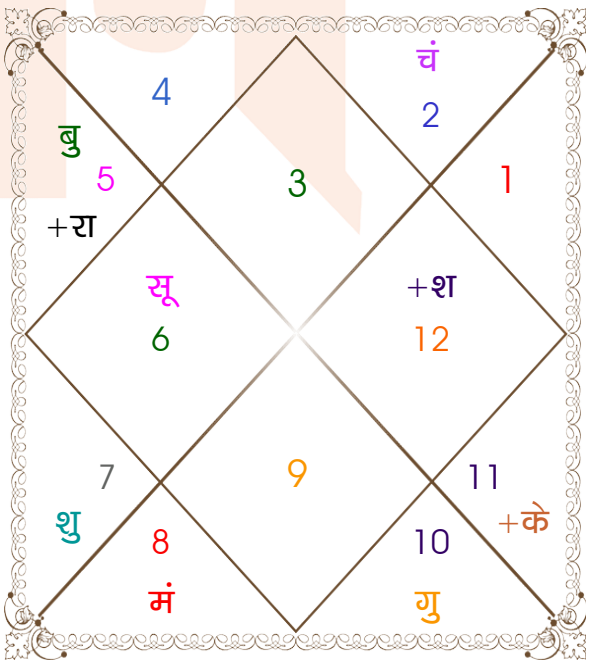

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

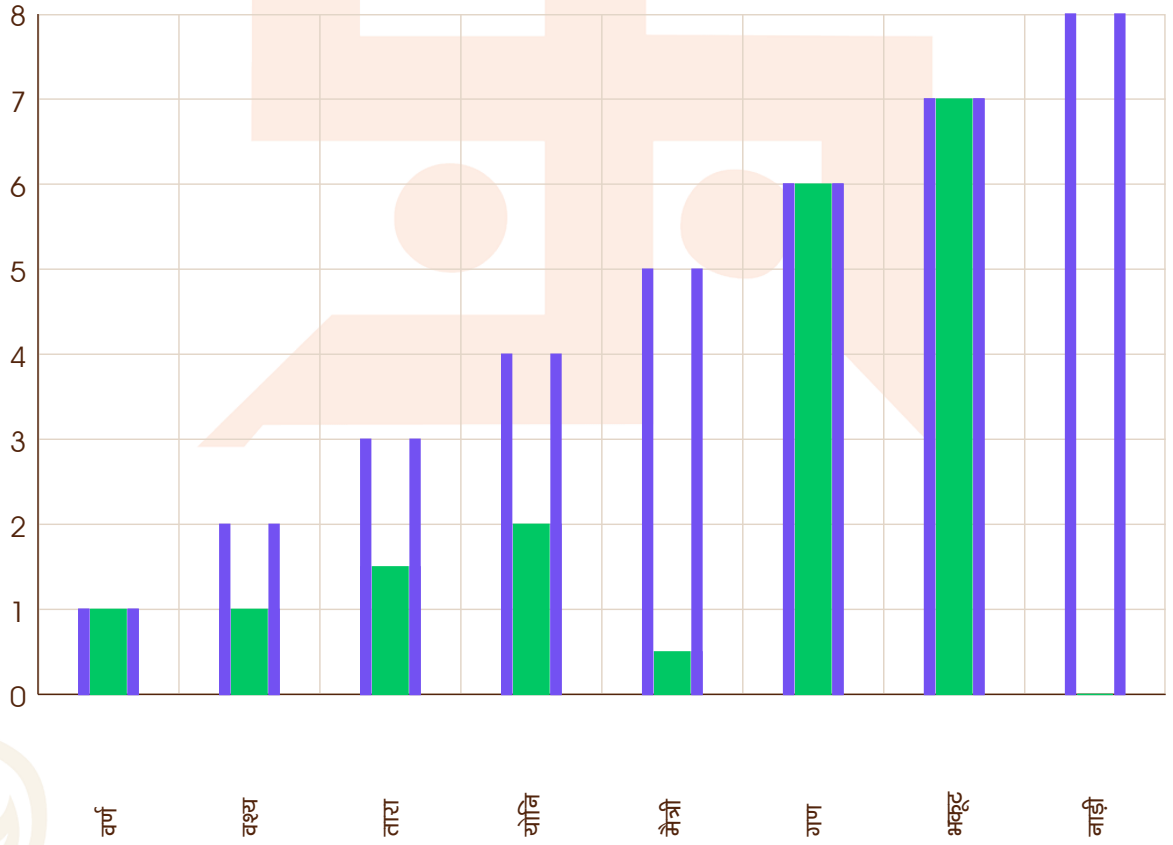

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Chirag का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Sonia का नक्षत्र रोहिणी है।

Chirag का वर्ग सिंह है तथा Sonia का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chirag और Sonia का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Chirag मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Sonia मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Chirag तथा Sonia में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Chirag का वर्ण ब्राह्मण तथा Sonia का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Sonia सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Sonia मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Chirag का वश्य जलचर है एवं Sonia का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Chirag की तारा साधक तथा Sonia की तारा प्रत्यरि है। Sonia की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Chirag एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Sonia का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Sonia के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Chirag अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Chirag की योनि गज है तथा Sonia की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है।

इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Chirag का राशि स्वामी Sonia के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sonia का राशि स्वामी Chirag के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Chirag का गण देव तथा Sonia का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Sonia अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Chirag से Sonia की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sonia से Chirag की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Chirag अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sonia सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Chirag की नाड़ी अन्त्य है तथा Sonia की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Chirag एवं Sonia की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Chirag की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Sonia की राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तथा जलतत्व में परस्पर समानता के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

Chirag की राशि का स्वामी वृहस्पति तथा Sonia की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम तथा शत्रुराशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से Chirag और Sonia के मध्य यदा कदा मतभेद तथा विवाद उत्पन होंगे तथा दाम्पत्य सम्बंधों में कटुता का भाव रहेगा वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देने से परस्पर कटुता एवं तनाव का वातावरण उत्पन होगा तथा दाम्पत्य जीवन में भी प्रतिकूलता रहेगी। अतः Chirag और Sonia यदि बुद्धिमता तथा सामंजस्य से कार्य लें तो दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में ये दोनों समर्थ हो सकते है।

Chirag और Sonia की राशियां परस्पर तृतीय तथा एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभफलों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा आत्मिक लगाव भी रहेगा। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में सुख एवं प्रसन्नता की प्राप्ति होगी तथा समय आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा।

Chirag का वश्य जलचर तथा Sonia का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमे नैसर्गिक विषमता के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेगी। फलतः कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ नहीं होंगे।

Chirag का वर्ण ब्राह्मण तथा Sonia का वर्ण वैश्य है। अतः Chirag की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि Sonia धनार्जन में विशेष तत्पर रहेंगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी इससे यदा कदा Chirag और Sonia के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते है।

धन

Chirag और Sonia की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Chirag और Sonia की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sonia एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Chirag तथा Sonia दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Sonia को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Sonia को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Chirag और Sonia का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Chirag और Sonia के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sonia के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sonia को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sonia को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Chirag और Sonia सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Chirag और Sonia का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sonia के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Sonia को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना

नहीं करना पड़ेगा। Sonia भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Sonia को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Sonia उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Sonia के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Sonia के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Chirag के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Chirag तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Chirag के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।